

A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 55 Subject

Name of MSS JYOTISHASTRA S.

Author N.A

Period N.A Folios

Script GURUMUKHI Source

Missing Folios

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 भागवते ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 गाले ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 विष्णु ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 यः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 उभा ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 मही ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 मङ्गल ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 वर ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 यद्वा ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 वा ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 भैरव ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 पत्न ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अत्ता ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



३
६
६
३
७२

कलपिगैभङ्गलरीरकप्रभुमुदमुषभउ
मुदविगैभङ्गलरीरकप्रभुमुदमुषभउ

[illegible]

...वृत्तमप्युक्तम् । अथानुक्तम् । वृत्तमप्युक्तम् ।

三子

Handwritten text in a script, likely a form or document, with some words underlined.

[illegible]

CC-0 Punjab University Chandigarh. An e-Gangotri-Vaidika Bharata Initiative

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

२५
 भईगुरुभपिभगसीद्वेभादुंठनवेमगविउ
 येमदुंयलयेइइवेभा २ विमापइय
 भामिइवधमइयविंकेभेणियूइउ
 यंवेवेवडीइयभमिइलीइउयंरीवे
 सुइअइयउयमइउयंभेवेवलीयं
 भयइउः २ कलीकइयमैवभेभमिइउ
 वैवमकुलेमैइयममणियूवणभंसुय
 गुरुंइउयुंउंयुमसुइमविउवेव
 डीअइयइयमदंविक्लयेउ २ यवउ
 मयकमिंमिडीययंउठनवमीइडीययं
 वणमिंमइउंगुरुवभरभापाइयंभेय
 वरमुइयैमउंउयैवः गविवइउइयं
 डिषिमसुकीरुउः २ २ धमीभेचमुवने
 यविकरउभमभुंभीकनवेमभुंमै
 यवइयमिंनवमीकीभरवेमसुय

सु
 डि
 २५

सकलसुखसमाप्तिमममउक्तिवस्तु
 सुखमीमसडेछेगदिनेदुबुकमदिकषण
 भइउल्लुबुभे * विवदभषयइछं
 समदुष्टमक्रयभागेभइल्लुमिकंकम
 सुखमदिवस्तुछे * विवदेषमवैण्डुं
 छइछंभरलंठवेडागळभवेमेगिरुदं
 दधिद्विधल्लुंयुलेडाविहुरभेषभत्तइ
 भउक्तिगिदुकरछेडा * उदुध्यामदु
 भमेविसापादुदुडकेभइवणभुअन
 विहंगुनवामल्लुवस्तुनीछेगेदइसुखेस
 विभत्तधाम * भभुछेगिदुकरवभगे
 मिअदुधसुदुधिभरिसुदुधसुदुधभंवेउं
 विभिसुलीरिउसुलेगभंइल्लुसुदुधल्लु
 द्विदिसुदुधुडा * सुदुधुअल्लुअल्लुअल्लु
 भमेउडीछामगुगेमउडीधधुइल्लुभभु

ॐ
म
ॐ

घाष्टवमभदुं घासप्रल्लकिणभवरभु
 भुवमिदुडिबिभुताः ॥ कुरुंइइयंअलं
 निधुवडीवृधनाः प्रभुपुडिभपुष्टेवनी
 मसुकरवोद्विडीयावनीप्रभुपुष्टेवनी
 भगः प्रभुपुष्टेवनीप्रभुपुष्टेवनी
 वेवडीप्रल्लभमेवेडरकमुष्टिरीभगः इयं
 मसुपुष्टीधधीवृडीयाकिभडकुष्टेवनी
 किमीप्रभुपुष्टेवनीभगडडिक द्विडीयावृ
 मसीमपुष्टेवनीमिद्विभुवृष्टेवनीमिद्विभुवृ
 यवेवडुडिउयंकरः प्रवळमुष्टिप्रल्लक
 मसीमसुकरगुं ॥ प्रवळमुष्टिप्रल्लक
 वेवडीवृधनाः सुकइयंमसीमपुष्टेवनी
 कडुगीप्रवळमुष्टिप्रल्लकमुष्टिप्रल्लक
 मसुपुष्टीधधीवृडीयाकिभडकुष्टेवनी
 ॥ प्रवळमुष्टिप्रल्लकमुष्टिप्रल्लक

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

[illegible][illegible]

मङ्गल पत्राय नमः ।
शुभं भवतु सर्वदा ।
कनकाक्षयम् ॥

[illegible]

[illegible]

三
三
三
三

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

三
三
三
三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

निर्गुणविषयकम् । ननु सत्त्वमयः । उक्तं मन्त्रे भवति ॥ वायस्यविवर्द्धन ।
पुनर्वैष्णवस्यम् । ननु मन्त्रे भवति ॥ ३ कालवैष्णवस्यम् । वायस्यमिन्द्र ।
विष्णुमन्त्रे भवति ॥ कुरुष्टमिन्द्रस्य । वायस्यमिन्द्र । वायस्यमिन्द्र ।
मन्त्रे भवति ॥ ४ वनिष्ठादिमन्त्रम् । कुरुष्टमिन्द्र । वायस्यमिन्द्र । वायस्यमिन्द्र ।

[illegible]

अथ नमो विष्णवे । भवतु नमोः नमो नमो विष्णवे ।

ॐ
ॐ
ॐ

[illegible]

[illegible]



ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

[illegible]

三十三

[illegible]

गुरुशर्पेन गुरुवर्जैः उद्योगरूपैः नैः भटि ॥ १ ॥
मीडं मी सुकर मिभु सुहृद प्रमद रति प्रहृष्ट रभु
कं कटं किह पप गुरुदेव भो ॥ देव साटक
रुहं प्रपुप पंचम अंगैरीटकी वैः धीगप्र
प्रहृष्ट ये प्रभिरमेक टडलै भुली द्वाभ मेहैः
मदुर मद्यै गुरुः ॥ यमेक इडिभु विरु प्रहृ
हृमद्यै धीगैरु वडिभु भिरु द्वा मल गुरु भो ह्री
वदु मी द्वा भक वं म विद्ये मडः लड पडं मवे
मं म गुरु भिभ ददुषः ॥ २ ॥ विभिर्है म कुरु
नैमै व गुरु पडु बुडि विभिर्है विरु भवुडै
धु विरु भवुडु भुवै व प्रहृ भक लड भहृः ॥
डिभु मद्यै मद्यै रडै र प्रहृ डे मदी र डकुलै
डकुलै व डिभु भवुडु मद्यै रडैः ॥ भिर्है व
भव मड पडु रं डवै व भु मल व डदु म
मद्यै विरु मद्यै रडै रडै विभिर्है विरु मद्यै
मद्यै ॥ ३ ॥ मद्यै रडै रडै रडै ॥ ४ ॥

सुप्रसिद्धमपिकरेडं सुभद्रमुमेरी कर्म सोरव
उत्तरादृष्ट पद्म उद्भि प्रदेष्टु पात्र मधिसम
एकी उत्तरी वमहुः र भग कि पद्म अपिकरेव
अलेक मुक्ति के ह डि ए सिरी प्र प्र व र ये स न द
ल्ले स ड ह द्वि दु म म र म्भ प ध ति मि हुँ र म्भ ल ग
म डे झ मे ष्टा ह्म भै सु रु गु हैः पद्म पु म हु म म
भै वि ह्म र भै वि ती घ डे र म्भ ल य न य अ त्त म्भ
म म वि ह्म र भै ज पुर यु य मि र व लुं डि पि रि दु
पू य ड्डः र भै म अ ट र भै म र व म रं स प्र म्भ
ड। प्र पू भं म गु रु क रि मि थुं क रि म ड्ड सी म्भ
र म्भ क थं क रि प्र डि प ह्म ० रु म र म्भ र सु रु गु है
म चेल गु ड्डु ए वि ख द मि डे वि ह्म र म्भ क ड्ड
कु रे भु य रि म भ म प ह्म भै सु रु भं प्र ड्ड प थै वि
र दि डे ख द म्भ म्भ भै उ ठे वि ह्म र म्भ ड्ड म म्भ
हैः र सु यै प ठ र ह्म ड्ड लि र धै प्र ह्म य म
दि डि ह्म ड्डु म क म्भ ड्डु म्भ व ल ड्डु म्भ भै ड्डु
म ल्ले म्भ भै म म्भ भै प ह्म क र म्भ म्भ भै म्भः

[illegible]

ममैपिपुंड्रीलिमैवेडनलिप्ररुपुंड्रीपिरह
 इमहः कृपामुमैकेरुवजः नगुरीवले
 वरुडनैमैमुडे .. कपि.....
 भवडेयसय नभर
 भुभुभिकुयविविकन्दभर मेधेरमुमम
 ममुमुडेदुनैः रमभुभितेविप्रहृइगडेः पुष्टे
 ललरमैरुकेकुरुभकरभीरललरसयः
 वपीरुपउडककि वरितुमैहनेपेधिकंक
 इयमपिउमभिकुडिकमलि र वरिलमै
 इमिहरेणं ----- भुविजभरेमै
 हलभा देइम वरुमैहमयवि
 ... रभीपरिमुकेप्रुमिकुडुंभकरुवे र
 रैमैहैकमंय रं कदमैवभिरं उषावीर
 मंडुकरभीमकुडुंकनमैरुवे र विहृलद
 डिमिन्दकि रभुपमुकममय रैडुदकि
 धेककुंकटेभीरैमयेवपैः र प्रवरुहरेयम

५३
 ५
 ५
 ५९

॥ इति मन्त्रः ॥

॥ इति मन्त्रः ॥

मविइउधुमिरवन् ॥ दिवनेविमापमभर
मृदुमिलनेधमीभारपौपमीधुमुदिरुनि
भुडिभमिउदि ॥ प्रवगमकद्वहइमि ॥
लमुममिइभउवमिरीधमउमभुमभरव
भेममउकुमिभवहपिउकुमर ॥ ककुमिग
नप्रभावेमुदिर ॥ प्रभुपौधुकेइहमंभद
रपमिगुद ॥ मपलगुविमेव ॥ ममककुममि
हुडि ॥ प्रवगरेहइमि ॥ मरुभवकवेध
विमापप्रधुदभवप्रवमकेधममिप्रधुद
उधविणेवैविहवउवविठिभुमकी ॥ भो
भोभप्रवमभडिधुमिमापवयववभरेवडि
दमुः भिदिकममुकेदमि ॥ यउमरगमग
भरंम ॥ मिउउमरेधुदरेदि ॥ नीप्रमउममीर
नदिमप्रमीधुमरभवेमंगभरंविमहुदुमीभद
मुनेरकममिमेव ॥ मुदगुदेरयेमुमेरैपरेध
रुधैरिधुमहवडिदिमममुपमुमंभरिठिभ

मविइउधुमिरवन् ॥ दिवनेविमापमभर ॥ मविइउधुमिरवन् ॥ दिवनेविमापमभर ॥
मृदुमिलनेधमीभारपौपमीधुमुदिरुनि ॥ मृदुमिलनेधमीभारपौपमीधुमुदिरुनि ॥
भुडिभमिउदि ॥ प्रवगमकद्वहइमि ॥ भुडिभमिउदि ॥ प्रवगमकद्वहइमि ॥
लमुममिइभउवमिरीधमउमभुमभरव ॥ लमुममिइभउवमिरीधमउमभुमभरव ॥
भेममउकुमिभवहपिउकुमर ॥ ककुमिग ॥ भेममउकुमिभवहपिउकुमर ॥ ककुमिग ॥
नप्रभावेमुदिर ॥ प्रभुपौधुकेइहमंभद ॥ नप्रभावेमुदिर ॥ प्रभुपौधुकेइहमंभद ॥
रपमिगुद ॥ मपलगुविमेव ॥ ममककुममि ॥ रपमिगुद ॥ मपलगुविमेव ॥ ममककुममि ॥
हुडि ॥ प्रवगरेहइमि ॥ मरुभवकवेध ॥ हुडि ॥ प्रवगरेहइमि ॥ मरुभवकवेध ॥
विमापप्रधुदभवप्रवमकेधममिप्रधुद ॥ विमापप्रधुदभवप्रवमकेधममिप्रधुद ॥
उधविणेवैविहवउवविठिभुमकी ॥ भो ॥ उधविणेवैविहवउवविठिभुमकी ॥ भो ॥
भोभप्रवमभडिधुमिमापवयववभरेवडि ॥ भोभप्रवमभडिधुमिमापवयववभरेवडि ॥
दमुः भिदिकममुकेदमि ॥ यउमरगमग ॥ दमुः भिदिकममुकेदमि ॥ यउमरगमग ॥
भरंम ॥ मिउउमरेधुदरेदि ॥ नीप्रमउममीर ॥ भरंम ॥ मिउउमरेधुदरेदि ॥ नीप्रमउममीर ॥
नदिमप्रमीधुमरभवेमंगभरंविमहुदुमीभद ॥ नदिमप्रमीधुमरभवेमंगभरंविमहुदुमीभद ॥
मुनेरकममिमेव ॥ मुदगुदेरयेमुमेरैपरेध ॥ मुनेरकममिमेव ॥ मुदगुदेरयेमुमेरैपरेध ॥
रुधैरिधुमहवडिदिमममुपमुमंभरिठिभ ॥ रुधैरिधुमहवडिदिमममुपमुमंभरिठिभ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥

ॐ
 नमो
 भगवते
 वासुदेवाय
 ॥ ३१ ॥

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

忍辱

[illegible]

子

मयुमपुहमसु जगत् ककुभमपीड वसुमु
 मुह्नि ककुपुडिवसु गोप डिटडिड भविभ
 मधरनदुरीयः यद्यद्ववद्विकैगगिकधु
 भूमद्विहृतेवममविप्रवः प्रष्टुतेमेमेडम
 शुद्धिरीममद्वटद्वमवदिगुगिकलि ॥ १ ॥
 लक्ष्ममद्वलेद्वद्वकल ॥ २ ॥ द्दुमप्रभुडिकमे
 मेवममभुरव इव इवोडि एनेविप्रधु
 मयः ॥ ३ ॥ दिसाभगीमगविमुहमेममेवम
 भविमुहभगवधुः ॥ ४ ॥ ललाएगेरधुमवेमि
 रमेगउवुमभिल्लनकधु कधु ॥ ५ ॥ लगुधुके
 ललाएगेरवडि इमधु मीरववडा सुमै
 ककमभुमुहमुगुधुं दिसिल्लनएगः ॥
 द्वि ॥ ६ ॥ दिसिमुहमेमः प्रधुमद्वमवेः ॥ ७ ॥
 इरद्वः मधुमद्विभमंमेगः पद्वमध
 धुमुहववर्क ॥ ८ ॥ मडुमु उडरमुवुणः
 २२ द्विजेवडुमेममेधुमुहः ललाएगः क

ॐ
 इ
 डि
 म

॥ कमुपयुमुदिगेसगउवृभा ॥ २११॥ ममय
 लगुद्वैपरेरुद्रुद्विरे विप्रउवरादुमद्रु
 लगुयउपडिहिरपिउमीयेदुगुगेदुडिवपं
 गभरमयविधंवरुद्रुं उलुमेव ॥ येधु
 मनिमुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 दः यमुसद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 रुद्रुः ॥ अद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 डिउद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 रदिमद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 अद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 मद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 यवेद्रुः ॥ मद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 दिः सुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 ॥ मद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु
 गउमुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रुद्रु

प्रदुमि रुवरिमयेभकलेपिभेभुमुमुहुगेभु
 रयभपुगंडविदय * विदयेभमुभंमुहुंभेप्री
 गेउडपाकभभा गदप्रवेमेदिवकंयइयभ
 धुभंडय * प्रडिसुं प्रडिवुं प्रडुगकभेवद
 वपिमज्जभभैररदडभैहुंविदुडे गदमयडि
 मिमिचभुं यडिचइभुभ द्र विमरडिमरुके
 येषुमिगुयकेप्राडिविभमिदभिमभुमुडेम
 भापइंभुविदिकरुयपवंदइइयडुग *
 यइइभमिदुहुयभज्ज * मेयभिमंरुविद
 इमुंरुपकहुभकररुहिभुंभिवरुडन
 रुभपुमिभयभोककहुसिकभीरडुडर
 भुभा * रुडिकहुभपुप्रवेभयहुभपुम
 हिभैइहुहुमिभैवेरुविधुभपुडुने *
 भुल्लेभिररुहुडिमुभभुंगडेडययइरिगी
 धुयइरीमगेगुदसिडेभुडिल्लेभेरुनवेरकन
 विडेभुगेरुव भुमिडेभुपडिहुल्लेपिदिभ

सु
 डि
 म
 रु

मेवमभेतिविप्रभा ॥ सुष्टिलेनमभुपे
 किङ्कडुडिभमसुनकुडुदभिरसुखवे
 निरलघडिभभुखडुगिमभा ॥ प्रवे
 मभिरैनुडु ॥ महि ॥ परवपुतेमभु
 मकीपधुमकुलघवत ॥ सुदिडुमहि
 कलसुदेनैनुडुके ॥ गः मेउपमिमेकले
 वणवचवुके ॥ के ॥ गुनेउपेडुकनसुडे
 मभिमिभुडः मरेप्रवगडकुलघगिकने
 गकुडि ॥ महिलेमडवपधुमकुलकेठवि
 भुडि ॥ मभपिवभरुगेमकलेडुभरुके
 कडुइवेभुडेकेभुमुं ॥ ०३ ॥ भुवेडवभुव
 भाभीरइवेपरभुमिषरइवेकेवीटभा ॥
 वडेकुडेडिचभिरसभुडेभुवभाविणिः ॥ मे
 इमीरं सुभमसमीरं पूवीमसु ॥ भुगेडु
 कडुंभुडुभुणपदः वभमहि ॥ येवभुभ
 कलंसुभुभुः ॥ भुभुवेसवकरदिपामं

५

वदप्रमद्वि... भद्विभं... सुदुव... भिवगेउअ
 दभापुपुविभं सुदुगंउमकुदउर... सुवभद
 मज्ञरभ... भुडिपदुमुडिग... येहुं गिरीय
 मभुडिपडिषिभुडुमभवेधे गिरीरुवडिध
 मझिडीयाडिषिभुडुमउडुगीयेगिरीभुडे
 मवभभुपिग... गीययेगिरी... सुवभदम
 मरभा... उडभुडीयेकउहुंभभेभदभुमम
 रभासडुऊभभेकउहुंमिमेषुमुमुममरभा
 रीवरुजवभेभुभंमिमेषिभम... शिव
 मिवभेमभुडेदिहभायुविहपरभूम... सु
 व... भुभुभंयुहुंभभे... उरदभुलीमर
 पेंडरभभउवैदमभभम... उभभिरुमिर
 भुदिरुलदिभुभ... विपेंभंभभेयरुडे
 वरु... सुपवलिउ... सुदवरेवदभदेव
 लभंभदममरभा... सुवैपरयरभी...
 उरगय... गउडेभभरेमुनपदेमभिरि

सु
 डि
 भ
 २

422

75

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

ममकपुल्लगते विठ्ठलकृतं ॥ ५३ ॥

[illegible]

विडीमुमीभविष्यं गुहमुहमेभु । रगीप्रकुतयं अमउममकुः ३ ॥ अद्येवठेभगुहमुहमेभु
 भूये । अद्यमवहपुं एनकागेनीय । एजंतिवकुमयउं मुहमीकुपे । भडुं मउपिपिं
 यनभैदिकीयः सुवंपयमुवडि अद्यभीपडु । मउगुभमुमि कुकडीममीग । रग
 भयपकिमडिउं सिपिलविडं । मउ अगमगुह मवाहमेभु ॥ १ ॥

三
五
十
九

नगुडमभु...
मगोकेमि...
मकेमविगडमु...
दुपम...
दुपम...
मदसुमु...
लः...
दुपम...
दुडिग...
पिडुम...
विमवि...
उडकनलः...
लेम...
मपीडि...
दुपमि...
विदुम...
विदुम...

ग

三
五
十
九

भद्रमेष्टागिष्ठपलेष्टद्वेष्टवसविः कलि
 दारिभुष्टेष्टगंविष्टदेष्टमवसवेष्ट ॥ २२ ॥
 धुमभुष्टेष्टकेष्टमभुष्टेष्टकमेष्टिष्टद्विष्टविष्ट
 कष्टगुष्टेष्टकल्लेष्टवमेष्टमभुष्टेष्टविष्टक
 लेष्टमुष्टेष्टमभः ॥ २३ ॥ सुष्टिष्टद्विष्टविष्टगुष्ट
 भष्टगमष्टभुष्टेष्टवद्विष्टिष्टविष्टपष्टक
 गष्टेष्टविष्टकष्टभुष्टेष्टमदष्टद्विष्टमुष्टवद्विष्ट
 मष्टगुष्टेष्टममष्टभुष्टेष्टममष्टद्विष्टममष्ट
 प्रष्टभाष्टमुष्टेष्टविष्टवद्विष्टमेष्टममष्टममष्ट
 प्रष्टमद्विष्टप्रष्टभाष्ट ॥ २४ ॥ सुष्टममष्टद्विष्ट
 धुष्टभुष्टेष्टद्विष्टमेष्टभुष्टेष्टमिष्टद्विष्टलेष्टविष्ट
 सुष्टभुष्टेष्टद्विष्टमेष्टद्विष्टदेष्टमेष्टमेष्टद्विष्ट
 प्रष्टद्विष्टकष्टद्विष्टविष्टमेष्टममष्टममष्ट ॥ २५ ॥
 सुष्टगुष्टेष्टद्विष्टमेष्टधुष्टममष्टमेष्टधुष्टप्रष्ट
 सुष्टद्विष्टदेष्टविष्टद्विष्टमिष्टद्विष्ट ॥ २६ ॥ सुष्ट
 सुष्टमेष्टद्विष्टगुष्टेष्टलेष्टमेष्टमेष्टमेष्टमेष्ट

三
五
七
九

वगुरे मकटु विवदिह पक्क कनेडि रुद्रु विव
 नहीर वुउव नुमीह यइ भुडिभू मविव लनी
 यः २ मेकं विव देभरं भुडे भुडे रे मरिह
 विदल्ल मयइ वुडी अत्ते भु मिव ममीह
 मिद भुडे भुडिभू मभु मडुः २ गुद भुडि
 नुंड म विव मे मिद भग मि मिद विप भु मडु
 मभु मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ
 मभ क क क क मलुं मभे मिद भु मभ मभ मभ
 दडि विव नमीह नगुं मडुं मभे वल्लः २ २
 नै भुडि गडि मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ
 यडि मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ
 मभ क वे मे मभ मभ क क वे मे मभ मभ मभ
 क व डि मलुं च प वि रं मभ मभ मभ मभ मभ २
 मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ
 मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ
 मभ मभ २ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ मभ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

हुमापुवमुभा ॥ उमय कुडलगुमसुभमुडु
 शिवभकुडिमसुभमेकंविणयविषणकुषरु
 वदकुणविमुमेजहिभुडइरुममभिविरवि
 ममवभुभरीमभुलेवुवहिः ॥ मेधकुसुभ
 सुयमिकवडिउमवमेविभु ॥ कलकलपा
 ॥ दीडिपुपकयंमैरडैरुयंभुडुः सुभमेकवेडु
 डिभुपमि ॥ यदमेडमसुभा ॥ कुठेगवमे
 पदपमिरुडभुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 लीरगधिः भगसुननिवदिगैपरकुभु
 भुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 गैडिरडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 विगंमलगुंरुवविडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 मभाडुमिरमेकंडडिबुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 रकुडु
 मभाडुमयेडकुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 डुमपिवैणुंभुडिविभुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु

विष्णुभक्तिलिपिऽभा

एतद्विषयमुदरमाधुर्येण गतुं विषयीयं
येन गुणऽभा रत्नैरुदरमेषां वदितुं
गमिष्यति यत्तैरभादुवः ॥ १ ॥ यथा कुरुते
उत्तिष्ठतु प्रवेष्टुं कुरुते यत्तैरभादुवः ॥ २ ॥
विषयः यैरभादुवऽतिवदितुं न ज्ञेयं रत्नीवैव
इदं शापल्यं यत्तैरभादुवः ॥ ३ ॥
मेषैरभादुवऽतिवदितुं न ज्ञेयं रत्नीवैव
कुरुते गुणऽभादुवऽतिवदितुं न ज्ञेयं रत्नीवैव
लिपिऽभादुवऽतिवदितुं न ज्ञेयं रत्नीवैव
रत्नैरभादुवऽतिवदितुं न ज्ञेयं रत्नीवैव

विष्णुभक्तिलिपिऽभा

कटुभकरडलठडिरगोवसिककुभमीरदविभ
 कुभेभमिषुनवधककुभनेविलभडिठडडिठ
 कभपुः भनेरुमुठवेमुष्टं पाडलेठररमा
 भडुलेकेठवेमुष्टं विधुिलंभरः भवे
 गोपभककीरवलेष्टेमुभभुभमयंविद
 केमेभडिठवडुभपेडिसाडिरगोवरेडुडुरे
 डिडुभोः रगोडुभुष्टं गेमेने भूमभुंयकु
 कुटमदिभुविदकेनलभुयभूरवी
 टमिडभुभुडुं गेमेने भूमभोः र
 भभभुभुविदभुभुलं गेमेने नभो
 डेभभुभुसंभडिठलभभुकवजराभोः र
 लडुभगरमेसेडपाडं केभलकेडवाक
 नलंडकमीष्टं वेमेभवडवस्तवेडः र
 विरकुष्टेगभुविदविदउरदडवरभुनव
 सुयधुः डुरेभुवने धापमेभुवस्तुष्टेधुमे
 धुडेगिधुः र भुपडवस्तुमेवदभेड

卷之五

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनस्य वचनम् ॥
 १३

प्रहृष्टप्रलेखमुकम् ॥ करवेजं ॥ तत्कम्पनी
 द्विजोद्यमपद्मभीमप्रभीदृष्टीवाम्प्रतिपद्
 मभीमुपुड्यैरुसीपैलभभीम ॥ दृष्टेभिर
 वरुवरेविलगुमेभुगुद्वैदुगुरिरेद्विउमकम्
 भ्रिउदीटवुडैसुमेभुडिम् ॥ अद्रुवरभुम
 उः ॥ यपैभुपधुयगडैभुके ॥ केदुगिउम
 इरिगलवभुवमडिदिम ॥ मिदधुमभुव
 रभुकडुद्वर ॥ कर्णेडि ॥ रवेगुद्वैगदिनी
 ममद्वैपरेमिडेवगुरेमभेभुमविरमभ
 घडिविलेरलीरेगीमभ्रिडेवभुमपगडेव
 वलठिपेरीमगडेवललीरेभुगेपिद ॥ ग
 दघडवभिद्वभुभेरीयद्वैगल ॥ अद्रु
 भ्रिउडिउमे ॥ डदवभुकधमद्वैभो ॥ विभु
 भुयभगु ॥ ध्रुवकेवभुमभ ॥ यभ्रुवैद्वै
 दि ॥ गद्वैभमयविधमभुमभुधुभुग
 भ्रवगडेवु ॥ भुगल्लेद्वैरेमगलेद्वैडेव
 धेदिगद्वैभमभ्रिउभुजप्रहृगुलेद्वैभ

子

卷之四

दद विप्र अरु लकनम रगुडेव भडे भुं भुं
 वी विमल वमरे भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 धिउम डरे भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 मिरे डरे भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 मिनि भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 मुकि भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 उडि भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 मेद रपीय भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 धिमेव गुरु भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 भुमि पि भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 इर यले भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 केम मि डरे भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 मेदि भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 उर भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 भुं नैवे मयेः दधुय इंक
 प भुं नैवे मयेः दधुय इंक

35 H. S.

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

उक्तम् ॥ * वेद द्विभक्त्यैव विदुः श्रमि
 नीभापरममममभाष्टिप्रलवद्वृत्ती
 विदुः ॥ प्रलभ्युदसमापपडंभ्युलने
 मियाप्रनेधप्रलभ्युदभुमेदविपरद्वयमे
 इमेष्टद्विरमभुमुक्तपयचद्वरुंरुवेडपडै
 परिवरभुभुधप्रमविडरुवेडकलेप्रलकडे
 मरुंमियाप्रमभन्यनीविडभा ॥ मयद्वेव
 मडिप्रनेमिरेमैवमडलेविप्ररुवेडभभु
 प्रलभ्युदभुवेमभा ॥ भुनेमैवधमप्रलंभ
 कलेवधमरुवेडकलुलंमभमभुंभभुं
 मरुंरुवेड ॥ * * वृषभभुविविमरः
 धेरगवैप्रभुभुद्वुडेमभभुविमरमभके
 स्त्रीभुडभभकिरील्लेधगुमेमभभिमभु
 गोभभभिकभुपडे ॥ ५७ द्धिभमभुदेइ
 वमिभुप्रमभुः द्धिभभुविमभुधेरभु
 भुभमेरुवेड ॥ ५८ मभभकिरीमेवप्रभुभु

५७
 ५८
 ५९

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

354

उरुहोवडिअलंखदडिवलककः ॥ १ ॥
 अविरोहविवापुखममममममम
 इवडमभुमः ॥ २ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ३ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ४ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ५ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ६ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ७ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ८ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ९ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १० ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ ११ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १२ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १३ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १४ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १५ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १६ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १७ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १८ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ १९ ॥
 अउरुवडिअलंखदडिवलककः ॥ २० ॥

५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७

CC-0 Punjab University Chandigarh. An eGangotri-Vaidika Bharara Initiative

Punjab University Chandigarh. An e-Gangotri-Vaidika Bharara Initiative